अग्नि-4 मिसाइल

स्रोत: पी.आई.बी

अग्नि-4 मिसाइल को ओडिशा के चाँदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

- इस प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया। यह प्रक्षेपण सामरिक बल कमान (SFC) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।
- अग्नि-4 DRDO द्वारा विकसित **मध्यम से अंतरमहाद्वीपीय दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की अग्नि शृंखला** में चौथी मिसाइल है।
    - यह नाम संस्कृत शब्द **'अग्नि'** से आया है जिसका अर्थ है 'आग' और यह प्रकृति के पाँच तत्त्वों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।
- अग्नि-4 एक मध्यम **दूरी की बैलिस्टिक और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल** है, जिसे ज़मीन या समुद्र से प्रक्षेपित करके ज़मीन या समुद्र पर स्थित लक्ष्यों को भेदने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **अग्नि-4 मिसाइल की मारक क्षमता 4,000 किलोमीटर है,** इसकी लंबाई 20 मीटर है तथा यह 1,000 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकती है।
- SFC **भारत के** परमाणु कमान प्राधिकरण (NCA) का हिस्सा है। यह देश के सामरिक और रणनीतिक परमाणु हथियारों के भंडार के प्रबंधन व प्रशासन के लिये ज़िम्मेदार है।
    - NCA दो भागों से बना है: **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली राजनीतिक परिषद,** जो परमाणु हथियारों का उपयोग करने का अधिकार रखने वाली एकमात्र संस्था है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार **की अध्यक्षता वाली कार्यकारी परिषद,** जो निर्णय लेने के लिये सुझाव प्रदान करती है तथा राजनीतिक परिषद के निर्देशों का क्रियान्वयन करती है।

और पढ़ें: मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री वीहीकल टेक्नोलॉजी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agni-4-missile